फर्द अहकाम

(नियम–26)

अदालत सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी, शिव

प्रार्थीगण	बनाम	विप्रार्थीगण
उगमसिंह पुत्र फतेहसिंह जाति राजपुत, निवासी मते का तला तहसील चौहटन, जिला बाड़मेर हाल निवासी शिव तहसील शिव, जिला बाड़मेर वगैरा (02)		रामत पत्नी आरब जाति मुसलमान, निवासी जोरानाडा तहसील शिव, जिला बाड़मेर वगैरा (02)

किस्म मुकदमा राजस्व आवेदन (धारा 212) मुकदमा नम्बर ~~77~~/2023

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
29.03.2023	प्रार्थी/वादी/अपीलाण्ट के वकील श्री अभयसिंह राठौड़ ने यह प्रार्थना पत्र/राजस्व वाद/अपील धारा 212 राजस्थान काश्तकारी, अधिनियम के अंतर्गत पेश किया है। जो दर्ज रजिस्टर हो। विप्रार्थी/प्रतिवादी/रेस्पोडेन्ट जरिये नोटिस/सम्मन तलब होकर पत्रावली वास्ते जवाब आईन्दा दिनांक 19.04.23 को पेश हो।	
19.4.23	पत्रावली पेश हुई। श्रीमान पीठासीन अधिकारी के दीगर कार्यों में व्यस्त होने के कारण इत्तला होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 24.5.23 को पेश हो।	
24.5.23	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा विप्रार्थीगण के नोटिस व डिलेवरी रिपोर्ट पेश की, जिसे शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली वास्ते विप्रार्थीगण का इत्तला होकर दिनांक 2.8.23 को पेश हो।	
2.8.23	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। पत्रावली वास्ते विप्रार्थीगण को उपस्थिति हेतु अंतिम अवसर दिया जाकर दिनांक 11.8.23 को पेश हो।	

Scanned with OKEN Scanner

तारीख हुक्म	हुक्म या ... शियल्स जज	नम्बर अहकाम हुक्म ... में जारी हुए
25.02.26	पत्रावली पेश। प्रार्थी वकील उपस्थित। पत्रावली वास्ते बहस हेतु दिनांक 02.4.26 को पेश हो।	
2.4.26	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी/ विप्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित/अनुपस्थित। पत्रावली में आज कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं होने व कारण इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार दि॰ 15.4.26 को पेश हो।	
15.4.26	पत्रावली पेश हुई। श्रीमान पीठासीन अधिकारी केदीगर कार्यों मे व्यस्त होने के कारण इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 29.4.26 को पेश हो।	
29.04.26	पत्रावली पेश। प्रार्थी वकील उपस्थित। पत्रावली वास्ते बहस हेतु दिनांक 07.05.26 को पेश हो। सहायक कलक्टर शिव (बाड़मेर)	
7.05.26	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी/ विप्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित/अनुपस्थित। पत्रावली में आज कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं होने व कारण इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार दि॰ 14.5.26 को पेश हो।	
14.05.26	पत्रावली पेश। प्रार्थी वकील उपस्थित। चूंकि उक्त आवेदन का मूल वाद निर्णित हो चुका है। अतः मूल वाद के निर्णित हो जाने पर उक्त आवेदन का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होने तथा सारहीन होने से इसी स्टेज पर खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। सहायक कलक्टर शिव (बाड़मेर)	

Scanned with OKEN Scanner